

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, मसीह का उद्धार कार्य, सत्र 15, 6 मसीह के उद्धार कार्य के चित्र, भाग 2, मुक्ति और प्रतिस्थापन

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन मसीह के उद्धार कार्य पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह सत्र 15 है, मसीह के उद्धार कार्य के छह चित्र, भाग 2, मुक्ति और प्रतिस्थापन।

हम मुक्ति के चित्र की ओर मुड़ते हुए मसीह के उद्धार कार्य के अपने अध्ययन को जारी रखते हैं।

सुलह के विपरीत, जो केवल चार प्रमुख पॉलिन अंशों में पाया जाता है, ऐसे बहुत से अंश हैं जो छुटकारे से संबंधित हैं, जिन्हें सूचीबद्ध करना मुश्किल है। इसके बजाय, मैं केवल बाइबल के उन भागों के बारे में बात करूंगा जहाँ यह पाया जाता है। पुराना नियम, समकालिक सुसमाचार, प्रेरितों के काम, पॉल, इब्रानियों, 1 पतरस और प्रकाशितवाक्य।

डेविड रीटमीयर क्षेत्र के बारे में बात करते हैं। मसीह के कार्य की ये सभी तस्वीरें निश्चित रूप से एक क्षेत्र से आती हैं। इस मामले में, रीटमीयर के हवाले से, मोचन के रूपक में बंधन खोने, कैद या गुलामी से मुक्त होने, खोई या बेची गई किसी चीज़ को वापस खरीदने, किसी के पास मौजूद किसी चीज़ को दूसरे के पास मौजूद किसी चीज़ से बदलने और फिरौती देने के विचार शामिल हैं।

बाइबिल की पृष्ठभूमि। छुटकारे की जड़ें पुराने नियम में हैं, जिसमें परमेश्वर द्वारा इस्राएलियों को मिस्र की गुलामी से छुड़ाना, इस्राएल द्वारा ज्येष्ठ पुत्रों को छुड़ाना, तथा बेबीलोन की कैद में लिए गए यहूदियों के लिए एक नए पलायन के यशायाह के संदेश शामिल हैं। नए नियम के समय में लोगों के लिए तात्कालिक पृष्ठभूमि दासों की मुक्ति है।

परिभाषा। नए नियम में मोचन मसीह के उद्धार कार्य का एक चित्र है जो खोए हुए लोगों को बंधन की विभिन्न अवस्थाओं में दर्शाता है और मसीह को उद्धारक के रूप में प्रस्तुत करता है, जो अपनी मृत्यु के माध्यम से, कई तरीकों से व्यक्त, लोगों को अपना होने का दावा करता है और उन्हें मुक्त करता है। लियोन मॉरिस ने क्रूस पर प्रेरितिक उपदेश में मोचन के तीन पहलुओं को सिखाया।

बंधन की वह स्थिति जिससे हमें मुक्त होने की आवश्यकता थी, फिरौती, छुटकारे की कीमत या फिरौती का भुगतान, और उसके परिणामस्वरूप स्वतंत्रता या मुक्ति की स्थिति। जॉन स्टॉट ने अपनी अद्भुत पुस्तक, द क्रॉस ऑफ़ क्राइस्ट में, मेरी सोच में एक चौथा पहलू जोड़ा, और वह यह है कि अब हमारे पास एक नया स्वामी है, और वह प्रभु यीशु मसीह है। छुटकारे की आवश्यकता अपने विभिन्न रूपों में बंधन है।

इस्राएलियों ने पलायन से पहले मिस्र की गुलामी झेली, और दक्षिणी राज्य के नागरिकों ने बेबीलोन और बाद में फारस में कैद में रहना सहा, इससे पहले कि यहोवा ने उन्हें मुक्त किया। मसीह लोगों को जिस तरह की गुलामी से मुक्त करता है, वह नैतिक या आध्यात्मिक है। वे अक्सर निहित होते हैं लेकिन कभी-कभी स्पष्ट होते हैं, जिसमें शामिल हैं, उद्धरण, अंधकार का क्षेत्र, कुलुस्सियों 1:13, दुनिया के प्राथमिक सिद्धांतों की गुलामी, गलातियों 4:3, पूर्वजों से विरासत में मिले व्यर्थ तरीके, 1 पतरस 1:18, और सभी अधर्म, तीतुस 2:13-14, और हमारे पाप, प्रकाशितवाक्य 1.16। आरंभकर्ता: यहाँ कोई आश्चर्य नहीं है; परमेश्वर हमेशा अपने लोगों को छुड़ाने में आरंभकर्ता होता है।

यह यहोवा के बारे में सच है: मैं यहोवा हूँ, मैं तुम्हें मिस्रियों के बोझों से निकालूँगा, और उनकी गुलामी से तुम्हें छुड़ाऊँगा, और अपनी भुजा बढ़ाकर और न्याय के महान कार्यों से तुम्हें छुड़ाऊँगा, निर्गमन 6:6। और यह यीशु, मनुष्य के पुत्र के बारे में भी सच है, जो सेवा करवाने के लिए नहीं बल्कि सेवा करने और बहुतों के लिए छुड़ौती के रूप में अपना जीवन देने के लिए आया था, मार्क 10.45, प्रसिद्ध छुड़ौती कथन। हम यीशु की हमें छुड़ाने के लिए खुद को देने की इच्छा को देखते हैं। मैं इसका पाठ थोड़ा आगे बताऊँगा।

दोनों नियमों में, देवता अपने लोगों के प्रति प्रेम के कारण छुटकारे की शुरुआत करते हैं। हम इसे व्यवस्था में देखते हैं। वह, तुम्हारा परमेश्वर यहोवा, तुम्हारे पूर्वजों से प्रेम करता था और अपनी महान शक्ति से अपनी उपस्थिति से तुम्हें मिस्र से बाहर लाया, व्यवस्थाविवरण 4:37। हम इसे शास्त्र की अंतिम पुस्तक में भी देखते हैं, उद्धरण, जो हमसे प्रेम करता है और जिसने हमें अपने लहू से हमारे पापों से मुक्त किया है, उसकी महिमा और प्रभुता युगानुयुग रहे, प्रकाशितवाक्य 1:5 और 6। प्रेम में, यहोवा ने इस्राएल को मिस्र से छुड़ाया।

प्रेम में, मसीह हमें अपने लहू से छुड़ाता है। मध्यस्थ: पुराने नियम में, इस्राएल के परमेश्वर को सर्वोच्च परमेश्वर, उनका उद्धारक कहा गया है, भजन 78:35। नए नियम में, पौलुस परमेश्वर, उद्धारकर्ता के लिए पुराने नियम की उपाधि का उपयोग करता है, और रोमियों 11:26 में यशायाह 59:20 का हवाला देते हुए इसे मसीह पर लागू करता है। इस प्रकार प्रेरित पूरे नए नियम के लिए स्वर निर्धारित करता है, जो लगातार मसीह को उद्धारक, छुटकारे के मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत करता है। कार्य।

मुक्ति के लिए काम की आवश्यकता होती है। यहोवा ने इस्राएलियों को मिस्र से छुड़ाने के लिए विपत्तियाँ और पलायन लाया, व्यवस्थाविवरण 9:26। उसने कुसू को यहूदा को कैद से छुड़ाने के लिए प्रेरित किया, एज्रा 1:1-4, यशायाह 45:1-6। नए नियम में, मुक्ति मसीह का कार्य है, भजन 49:7। वह घोषणा करता है, सच में, कोई भी मनुष्य किसी दूसरे को छुड़ा नहीं सकता। मरकुस 8:37 में, यीशु पूछता है, एक मनुष्य अपनी आत्मा के बदले में क्या दे सकता है? और 10:45 में, वह कहता है, मनुष्य का पुत्र बहुतों के लिए छुड़ौती के रूप में अपना जीवन देने आया।

प्रकाशितवाक्य की कल्पना शक्तिशाली है। यूहन्ना कहता है कि मैंने एक मेमे को ऐसे खड़ा देखा जैसे कि वह मारा गया हो। और फिर स्तुति का भजन मेमे तक जाता है, क्योंकि तुम मारे गए थे,

और अपने खून से, तुमने हर जनजाति, और भाषा, और लोगों, और राष्ट्र से लोगों को परमेश्वर के लिए छुड़ाया।

प्रकाशितवाक्य 5:6 और 9. स्वैच्छिकता। नियम के बीच एक उल्लेखनीय अंतर यह है कि मसीह ने हमारे उद्धारकर्ता के रूप में स्वेच्छा से दुख उठाया। यह विचार फिरौती के कथन में परिलक्षित होता है, मनुष्य का पुत्र बहुतों के लिए छुड़ौती के रूप में अपना जीवन देने आया, मरकुस 10:45। फिर से, पादरी के दो अंश यीशु के आत्म-समर्पण के कथनों को छुटकारे के साथ जोड़ते हैं।

1 तीमुथियुस 2:5 और 6. क्योंकि परमेश्वर एक ही है, और परमेश्वर और मनुष्यों के बीच में भी एक ही बिचवर्ई है, अर्थात् मसीह यीशु जो मनुष्य है, जिसने अपने आप को सब के छुटकारे के दाम में दे दिया; जिसकी गवाही इस समय भी दी जाती है। 1 तीमुथियुस 2:5 और 6. और फिर तीतुस 2:13 और 14. हमारे महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह ने अपने आप को हमारे लिये दे दिया, कि हमें सब अधर्म से छुड़ाए, और शुद्ध करके अपने लिये एक ऐसी निज सम्पत्ति बना ले जो भले भले कामों में सरगर्म हो।

तीतुस 2:13 और 14. हमारे उद्धारकर्ता ने हमें दासता से छुड़ाने के लिए स्वेच्छा से खुद को दे दिया। पवित्रशास्त्र कभी-कभी इसे, हमेशा नहीं, लेकिन कभी-कभी इसे कीमत के भुगतान के रूप में देखता है।

फिरौती की कीमत। जबकि लियोन मॉरिस, जिन्होंने मसीह के उद्धारक कार्य का वर्णन करने वाले बाइबिल के शब्दों पर अनुकरणीय कार्य किया, ने मसीह की मृत्यु को फिरौती के रूप में अत्यधिक महत्व दिया हो सकता है, दूसरों ने फिरौती के विचार को पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया है। इसे ज़्यादा महत्व देना और इसे अस्वीकार करना दोनों ही गलतियाँ हैं।

श्राइनर ने हॉवर्ड मार्शल के एक महत्वपूर्ण निबंध का हवाला देते हुए बिल्कुल सही संतुलन बनाया है। उन्होंने लिखा कि कुछ विद्वानों ने तर्क दिया है कि धर्मग्रंथों में, मोचन में हमेशा कीमत चुकाने की धारणा शामिल होती है। हालाँकि, हॉवर्ड मार्शल ने प्रदर्शित किया है कि कीमत का विचार हमेशा मौजूद नहीं होता है, हालाँकि मोचन में शामिल लागत या प्रयास का विचार हमेशा मौजूद रहता है।

कुछ ग्रंथों में, उद्धार पर जोर दिया गया है, और कीमत के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। लूका 21:28, रोमियों 8:23, इफिसियों 1:4, इफिसियों 4:30। दूसरी ओर, कुछ विद्वान कीमत की किसी भी धारणा को खत्म करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। श्राइनर निश्चित रूप से सही हैं।

कम से कम आठ अंश मसीह की मृत्यु को छुटकारे की कीमत के रूप में दर्शाते हैं। आप इसे कैसे नकार सकते हैं? प्रेरितों के काम 20:28। पौलुस ने कहा, अपने और पूरे झुंड के प्रति चौकस रहो, ताकि परमेश्वर की कलीसिया की देखभाल करो, जिसे उसने अपने लहू से प्राप्त किया है। 1 कुरिन्थियों 6:19-20। पौलुस ने लिखा, तुम अपने नहीं हो, क्योंकि तुम कीमत देकर खरीदे गए हो।

इसलिए अपने शरीर के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो। 1 कुरिन्थियों 7:23. तुम कीमत देकर खरीदे गए हो। मनुष्यों के दास मत बनो।

1 तीमुथियुस 2:5-6. परमेश्वर और मनुष्यों के बीच एक ही मध्यस्थ है, अर्थात् मनुष्य मसीह यीशु, जिसने अपने आप को सब के छुड़ौती के रूप में दे दिया। इब्रानियों 9:12. उसने अपने लहू के द्वारा पवित्र स्थानों में एक ही बार प्रवेश किया, इस प्रकार सुरक्षित किया, और उसके अपने लहू के द्वारा ही कीमत मिली, इस प्रकार अनन्त छुटकारा सुरक्षित किया। 1 पतरस 1:18-19. तुम नहीं थे; क्षमा करें, तुम्हें छुड़ाया गया; तुम्हें अपने पूर्वजों से विरासत में मिली व्यर्थ चालों से छुड़ाया गया, न कि चाँदी या सोने जैसी नाशवान वस्तुओं से, बल्कि मसीह के बहुमूल्य लहू से।

यही छुटकारे की कीमत है। प्रकाशितवाक्य 1 :5-6. जो हमसे प्रेम करता है और जिसने अपने लहू से हमें पापों से छुड़ाया है, उसकी महिमा और प्रभुता युगानुयुग होती रहे। आमीन।

प्रकाशितवाक्य 5:9-10. फिर से, क्योंकि तुम मारे गए और अपने खून से तुमने परमेश्वर के लिए लोगों को छुड़ाया। प्रतिस्थापन। कुछ ग्रंथ मसीह के छुटकारे को पापियों के प्रतिस्थापन के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

सबसे प्रसिद्ध है मार्क 10:45 का छुड़ौती कथन। यह आयत महत्वपूर्ण है क्योंकि उस आयत में, मार्क के सुसमाचार में, यीशु ने अपनी प्रायश्चित मृत्यु का अर्थ बताया है। यह बहुत महत्वपूर्ण है। यहाँ तक कि मनुष्य का पुत्र भी सेवा करवाने के लिए नहीं आया था, बल्कि सेवा करने और बहुतों के लिए छुड़ौती के रूप में अपना जीवन देने के लिए आया था।

उसके शिष्य आपस में बहस कर रहे थे कि कौन सबसे महत्वपूर्ण है। और यीशु ने खुद को सेवक नेतृत्व के उदाहरण के रूप में इस्तेमाल करके उन्हें नम्र किया। अन्यजातियों में, जो उद्धार नहीं पाए हुए लोग थे, नेता अपने अधीन लोगों पर प्रभुता करते थे।

तुम्हारे बीच ऐसा नहीं होना चाहिए। वह पहले होगा, होना चाहिए, होना चाहिए, वह पहले होगा, आखिरी होगा। जो नेतृत्व करना चाहता है उसे सबका सेवक होना चाहिए।

क्योंकि मनुष्य का पुत्र भी सेवा करवाने नहीं, बल्कि सेवा करने आया है। और उसकी सेवा का सार यह है कि वह बहुतों के लिए छुड़ौती के रूप में अपना जीवन दे। विलियम लेन, जिन्होंने मार्क के सुसमाचार पर एक बेहतरीन टिप्पणी लिखी है, छुड़ौती, मुक्ति और प्रतिस्थापन को एक साथ जोड़ते हैं।

उद्धारण, फिरौती का रूपक उस उद्देश्य को दर्शाता है जिसके लिए यीशु ने अपना जीवन दिया। चूँकि समानता या प्रतिस्थापन का विचार फिरौती की अवधारणा के लिए उचित था, इसलिए यह पुराने नियम में छुटकारे की शब्दावली में एक अभिन्न तत्व बन गया। माफ़ करें।

मरकुस 12:45a के संदर्भ में, जिसमें मनुष्य के पुत्र की सेवा का उल्लेख है, यशायाह 53 में प्रभु के सेवक का उल्लेख करना उचित है, जिसने दूसरों के पापों के लिए स्वेच्छा से कष्ट सहे और अपना जीवन दिया। छुड़ौती के संदर्भ में अंतर्निहित विशिष्ट विचार यशायाह 53:10 में व्यक्त किया गया है, जो अपने जीवन को पाप के लिए बलिदान करने की बात करता है। मसीहाई सेवक के रूप में यीशु स्वयं को दोषी बलिदान के रूप में पेश करते हैं।

लैव्यवस्था 5:14 से 6:7, लैव्यवस्था 7:1 से 7, संख्या 5:5 और 8, लोगों के पापों के लिए क्षतिपूर्ति के रूप में। मार्क के सुसमाचार पर विलियम लेन की टिप्पणी। निम्नलिखित तीन पाठ भी सिखाते हैं कि मसीह का उद्धार प्रतिस्थापनात्मक है।

पाठकों को मार्क और इब्रानियों की पुस्तक पर विलियम लेन की टिप्पणी से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। लेकिन ये पाठ सिखाते हैं कि मुक्ति प्रतिस्थापन है। गलातियों 3:13, मसीह ने हमारे लिए अभिशाप बनकर हमें व्यवस्था के अभिशाप से छुड़ाया।

1 तीमुथियुस 2:5 और 6, एक ही परमेश्वर है और परमेश्वर और मनुष्य के बीच एक ही मध्यस्थ है, मनुष्य मसीह यीशु, जिसने खुद को सभी के लिए छुड़ौती के रूप में दे दिया। तीतुस 2:13-14, हमारे महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह ने हमें सभी अधर्म से छुड़ाने के लिए खुद को दे दिया। गलातियों 3:13 पर चर्चा करते हुए, ग्राहम कोल मानवता की खुद को बचाने में असमर्थता पर विचार करते हैं।

उद्धारण, ईश्वर ने इस समय मानवीय संकट को संबोधित करने के लिए मसीह में कार्य किया है। ईश्वरीय कदम आश्चर्यजनक है, क्योंकि एक महान परिवर्तन हुआ है। जैसा कि जेफरी ओवी और सैक सुझाव देते हैं, दंडात्मक प्रतिस्थापन के सिद्धांत के एक स्पष्ट कथन की कल्पना करना कठिन है।

पॉल बाज़ार की भाषा का सहारा ले रहा है। एक गुलाम को आज़ाद करने के लिए एक कीमत चुकाई जाती है, और इस छुटकारे की कीमत अथाह है। गलातियों 3:13 कहता है कि मसीह ने हमारे लिए एक अभिशाप बनकर हमें व्यवस्था के अभिशाप से छुड़ाया।

कोल सही थे। मसीह ने पापियों को छुड़ाने के लिए खुद को फिरौती के रूप में दे दिया। वह उनके स्थान पर मर गया, और उसने वह फिरौती चुकाई जो वे नहीं चुका सकते थे।

इसके अलावा, उद्धार उसके लहू, मसीह के लहू से पूरा हुआ। मॉरिस ने क्रूस पर प्रेरितिक उपदेश में लियोन मॉरिस को दिखाया है, मॉरिस ने दिखाया है कि मसीह के लहू की अभिव्यक्ति में लहू शब्द मसीह की मृत्यु को दर्शाता है, यहाँ तक कि एक हिंसक मृत्यु को भी। जब शास्त्र मसीह के उद्धार के कार्य की बात करता है, तो लहू का यह प्रयोग अक्सर होता है।

हमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा मिला है, इफिसियों 1:7। उसने एक बार और हमेशा के लिए पवित्र स्थानों में प्रवेश किया, बकरियों और बछड़ों के लहू के द्वारा नहीं, बल्कि अपने स्वयं के लहू के द्वारा, इस प्रकार एक अनन्त छुटकारा सुनिश्चित किया। इब्रानियों 9:12। मैंने एक मेमने को ऐसे खड़ा देखा जैसे कि वह वध किया गया हो।

क्योंकि हे परमेश्वर के मेमे, तू वध किया गया और अपने लहू से तूने परमेश्वर के लिए लोगों को छुड़ाया। प्रकाशितवाक्य 5:6. 5 पद 6 और पद 9 और 10. मॉरिस यीशु के लहू और बलिदान के बीच के संबंध को समझाते हैं।

उद्धरण, पुराने नियम में रक्त शब्द का प्रयोग उतनी बार नहीं किया गया है जितना कि पुराने नियम में किया गया था। यह 98 बार पाया जाता है। लेकिन पुराने नियम की तरह, सबसे अधिक बार इस्तेमाल किया जाने वाला एकल वर्गीकरण हिंसक मृत्यु को संदर्भित करता है।

नए नियम के लेखकों का मतलब था कि जब मसीह अपने खून की बात करते हैं, तो उनका मतलब था कि मसीह मर चुका है। और अगर वे इस अभिव्यक्ति का इस्तेमाल इस तरह से करते हैं कि यह बलिदानों और उनमें हुए खून-खराबे को याद दिलाता है, तो उनका मतलब है कि यीशु की मृत्यु को एक बलिदान के रूप में देखा जाना चाहिए, जो वास्तव में उस चीज को पूरा करता है जिसकी ओर पुराने बलिदान इशारा करते थे लेकिन वह नहीं कर सकते थे। क्षमा।

क्योंकि मसीह, छुटकारे के मध्यस्थ, ने स्वेच्छा से पापियों के लिए छुड़ौती के रूप में खुद को दे दिया। उनकी मृत्यु उन सभी के लिए क्षमा प्रदान करती है जो विश्वास करते हैं। इसी कारण से, शास्त्र छुटकारे और क्षमा को जोड़ता है।

इफिसियों 1:7. उसमें हमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा मिला है, अर्थात् हमारे अपराधों की क्षमा। कुलुस्सियों 1:13-14. परमेश्वर ने हमें अंधकार के साम्राज्य से छुड़ाया है और अपने प्रिय पुत्र के राज्य में स्थानांतरित किया है, जिसमें हमें छुटकारा मिला है, अर्थात् पापों की क्षमा।

मुक्ति अतीत, वर्तमान और भविष्य से संबंधित है। जब लौकिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो मुक्ति अतीत, वर्तमान और भविष्य से संबंधित है। सबसे पहले, अतीत।

तुम अपने नहीं हो, क्योंकि तुम कीमत देकर खरीदे गए हो। 1 कुरिन्थियों 6:19-20। तुम मसीह के बहुमूल्य लहू से छुड़ाए गए हो।

1 पतरस 1:18-19. प्रकाशितवाक्य 14:4. इन संतों को परमेश्वर और मेमने के लिए प्रथम फल के रूप में मानवजाति से छुड़ाया गया है। छुटकारा वर्तमान से भी संबंधित है।

उसने हमें अंधकार के साम्राज्य से छुड़ाया है और अपने प्रिय पुत्र के राज्य में स्थानांतरित किया है, जिसमें हमें छुटकारा अर्थात् पापों की क्षमा प्राप्त होती है। कुलुस्सियों 1:13 और 14. छुटकारे को अतीत के रूप में वर्णित किया गया है, लेकिन मसीह के राज्य में स्थानांतरण वर्तमान है, जैसा कि क्षमा है।

छुटकारा भविष्य से भी संबंधित है। रोमियों 8:23. और केवल सृष्टि ही नहीं, पर हम भी, जिनके पास आत्मा का पहला फल है, अपने भीतर कराहते हैं, और गोद लिये जाने अर्थात् अपनी देह के छुटकारे की बाट जोहते हैं।

रोमियों 8:23. रोमियों, क्षमा करें, इफिसियों 4:30. और परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित न करें, जिसके द्वारा आप पर छुटकारे के दिन के लिए मुहर लगाई गई है।

संक्षेप में, मसीह ने अपने लोगों के लिए, यहाँ तक कि उसके नाम पर विश्वास करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए, पूर्ण छुटकारा खरीदा है। उसका उद्धार भूत, वर्तमान और भविष्य से संबंधित है। इसके अलावा, छुटकारा है, क्या मैं यहाँ एक पैटर्न देख रहा हूँ? हाँ।

मेलमिलाप की तरह, मुक्ति व्यक्तिगत, सामूहिक और ब्रह्मांडीय होती है। मसीह व्यक्तियों, कलीसिया और ब्रह्मांड को मुक्ति देता है। व्यक्तियों के प्रति उसका उद्धार यौन अनैतिकता के संदर्भ में प्रदर्शित होता है।

1 कुरिन्थियों 6:18 से 20. व्यभिचार से दूर भागो। मनुष्य द्वारा किया जाने वाला प्रत्येक अन्य पाप शरीर के बाहर है, परन्तु व्यभिचारी मनुष्य अपने ही शरीर के विरुद्ध पाप करता है।

या क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारा शरीर तुम्हारे भीतर पवित्र आत्मा का मंदिर है, जिसे तुमने परमेश्वर से पाया है? तुम अपने नहीं हो, क्योंकि तुम्हें कीमत देकर खरीदा गया है। इसलिए, अपने शरीर में परमेश्वर की महिमा करो। इस प्रकार, 1 कुरिन्थियों 6:18 से 20 में, यह वे व्यक्ति हैं जिन्हें मसीह द्वारा छुड़ाया जाता है।

छुटकारे का एक सामूहिक आयाम भी है, जैसा कि निम्नलिखित अंशों से स्पष्ट होता है। प्रेरितों के काम 20:28. पौलुस परमेश्वर की कलीसिया की बात करता है, जिसे उसने अपने लहू से प्राप्त किया।

1 तीमुथियुस 2:5 और 6 मसीह यीशु के बारे में बात करते हैं, जिन्होंने खुद को सभी के लिए छुड़ौती के रूप में दे दिया। प्रकाशितवाक्य 5:9। हे परमेश्वर के मेरे, तूने वध किया और अपने लहू से हर एक कुल, और भाषा, और लोग, और जाति में से परमेश्वर के लिए लोगों को छुड़ौती दी। जैसा कि मेल-मिलाप के मामले में होता है, छुटकारे का एक ब्रह्मांडीय आयाम भी है, और पौलुस रोमियों 8 में इसका उल्लेख करता है। रोमियों 8:19 से 22, क्योंकि सृष्टि परमेश्वर के पुत्रों के प्रकट होने की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही है।

क्योंकि सृष्टि अपनी इच्छा से नहीं पर अधीन करनेवाले की ओर से व्यर्थता के आधीन इस आशा से की गई। कि सृष्टि भी आप ही विनाश के दासत्व से छुटकारा पाकर परमेश्वर की सन्तानों की महिमा की स्वतंत्रता प्राप्त करेगी। क्योंकि हम जानते हैं, कि सारी सृष्टि अब तक मिलकर कराहती और पीड़ाओं में पड़ी तड़पती है। रोमियों 8:19-22।

मसीह के उद्धारक कार्य के लिए छुटकारे की तस्वीर की अपनी प्रस्तुति का समापन हम उन अद्भुत परिणामों के बारे में सोचकर करते हैं जो हमें प्राप्त होते हैं। मसीह के छुटकारे के कार्य के परिणाम अविश्वसनीय हैं। जैसा कि मैंने पहले ही छुटकारे के अंतर्गत बताई गई श्रेणियों के बारे में बताया है, ये उनके अतिरिक्त हैं।

यीशु की मृत्यु नई वाचा को पुष्ट करती है और यिर्मयाह 31:31, 31 से 34 में बताए गए वादे को पूरा करती है, खास तौर पर पापों की क्षमा, जिसमें पुराने नियम के संतों के पाप भी शामिल हैं। इब्रानियों 9:15. इसलिए, वह एक नई वाचा का मध्यस्थ है ताकि जो लोग बुलाए गए हैं वे अनन्त

विरासत का वादा प्राप्त कर सकें क्योंकि एक मृत्यु हुई है जो उन्हें पहली वाचा के तहत किए गए अपराधों से मुक्ति दिलाती है।

इब्रानियों 9:15. छुटकारा परमेश्वर के लिए विश्वासियों को खरीदता है ताकि वे अब से उसके हो जाएँ। तुम अपने नहीं हो, क्योंकि तुम कीमत देकर खरीदे गए हो।

पौलुस ने इसी संबंध में 1 कुरिन्थियों 6:19 और 20 लिखा। 1 कुरिन्थियों 7:23 और प्रकाशितवाक्य 14:4 पर विचार करें। साथ ही, मसीह की मृत्यु हमें बंधन से मुक्त करती है, इसलिए अब आप दास नहीं बल्कि पुत्र हैं। और यदि पुत्र है तो परमेश्वर के द्वारा वारिस है,

गलातियों 4:7. इसके अलावा, छुटकारा मसीहियों को अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है क्योंकि मसीह ने हमें सभी अधर्म से छुड़ाने और खुद को शुद्ध करने के लिए खुद को हमारे लिए दे दिया ताकि वह अपने लिए एक ऐसे लोग बन जाए जो अच्छे कामों के लिए उत्साही हों। तीतुस 2:14. मसीह ने अपने लोगों को छुड़ाया ताकि वे उन भूमिकाओं को पूरा कर सकें जिन्हें पुराने नियम के इस्राएल ने निभाने में विफल रहे।

उद्घरण प्रकाशितवाक्य 1:5 और 6. उसने अपने लहू से हमें हमारे पापों से मुक्त किया है और हमें अपने परमेश्वर और पिता के लिए राज्य याजक बनाया है। क्रिस्टोफर राइट ने इस छुटकारे के अध्ययन को समाप्त करने के लिए एक अच्छा सुझाव दिया है। उद्घरण पाप हमें गुलामी में डालता है, एक बंधन जिससे हमें मुक्त होने की आवश्यकता है।

लेकिन छुटकारे की हमेशा एक कीमत होती है। परमेश्वर ने अपने बेटे के आत्म-समर्पण के द्वारा उस कीमत को स्वयं वहन करने का चुनाव किया, जिसने बहुतों के लिए छुड़ौती के रूप में अपना जीवन दे दिया। मरकुस 10:45.

इसलिए, उसके द्वारा हमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा मिलता है, अर्थात् पापों की क्षमा। इफिसियों 1:7. क्रूस, बंदियों के लिए स्वतंत्रता और रिहाई का प्रतीक है। मसीह के उद्धारक कार्य के छह मुख्य चित्र।

हमने मेलमिलाप और मुक्ति पर विचार किया है। अब हम मसीह को हमारे कानूनी प्रतिस्थापन के रूप में देखने जा रहे हैं। इसके पहलुओं का सारांश देने से पहले, मैं दंडात्मक प्रतिस्थापन के प्रति आपत्तियों का उत्तर देने के लिए प्रेरित हूँ।

मुझे दुख होता है कि ये बातें न केवल उन आलोचनात्मक विद्वानों से आती हैं जो बाइबल की शिक्षाओं पर विश्वास नहीं करते बल्कि इंजीलवादियों से भी आती हैं। कुछ लोग दंडात्मक प्रतिस्थापन का विरोध करते हैं। यह समझ में आता है कि कभी-कभी दंडात्मक प्रतिस्थापन को बहुत अधिक सावधानी के बिना और लगभग अशिष्टता से प्रस्तुत किया गया है।

पिता को पुत्र के विरुद्ध खड़ा करके, क्रूर पिता कोमल पुत्र को दण्डित करता है। यह पूरी तरह से गलत है। या पुत्र को पिता के विरुद्ध खड़ा करना जो अपने क्रूस कार्य में पिता से वह सब छीन लेता है जिसे देने में पिता अनिच्छुक है।

ओह, ये सिद्धांत की भयानक, भयानक, विचित्र विकृतियाँ हैं। फिर भी, दंडात्मक प्रतिस्थापन की अभी-अभी आलोचना की गई है। और गैरी विलियम्स की मदद से, जिन्होंने दंडात्मक प्रतिस्थापन लिखा है, जो कि पिछले व्याख्यानों में मेरे द्वारा उल्लेखित पुस्तक, द एटोनमेंट डिबेट में हाल ही में की गई आलोचनाओं का जवाब है।

गैरी विलियम्स, दंडात्मक प्रतिस्थापन, हाल ही में की गई आलोचनाओं का जवाब है, यह मेरे लिए बहुत बड़ी मदद है। अगर हम दंडात्मक प्रतिस्थापन को समग्र रूप से देखें, तो हमारी ज़रूरत पवित्र और न्यायी ईश्वर के सामने अपराध या निंदा है। और अगर मसीह है, अगर मसीह मेल-मिलाप में हमारी शांति है, अगर वह छुटकारे में हमारा उद्धारक है, तो वह कानूनी दंडात्मक प्रतिस्थापन के विषय में हमारा प्रतिस्थापन है।

बेशक, यह क्षेत्र सुलह जैसे व्यक्तिगत संबंधों का नहीं है। यह मुक्ति की तरह गुलामी और मुक्ति का क्षेत्र नहीं है। दंडात्मक प्रतिस्थापन का क्षेत्र, जैसा कि दंडात्मक नाम से ही स्पष्ट है, कानून है।

परमेश्वर कानून बनाने वाला और न्यायी है। हम कानून तोड़ने वाले हैं। हम अपने पापों की सज़ा नहीं भुगत सकते।

पिता अपने बेटे को भेजता है। बेटा हमसे प्यार करता है और हमारे लिए खुद को दे देता है। नतीजा औचित्य है।

ईश्वर ने उन सभी को धर्मी घोषित किया है जो उसकी कृपा से यीशु पर विश्वास करते हैं। और एक बार फिर, मैं यह कहूंगा: हम दंडात्मक प्रतिस्थापन पर आपत्तियों के उपचार के अंत में संक्षेप में बताएंगे। मैं थॉमस श्राइनर के आकलन से सहमत हूँ जब वह लिखते हैं, उद्धरण, मैं निष्कर्ष निकालता हूँ कि दंडात्मक प्रतिस्थापन दृष्टिकोण का आज बचाव करने की आवश्यकता है क्योंकि यह कुछ विद्वानों के लिए अपमानजनक है।

हम जानते हैं कि यह कट्टरपंथी नारीवादियों के लिए निंदनीय है जो इसे दैवीय बाल शोषण के रूप में देखते हैं। मैं यह सब कुछ नहीं बना रहा हूँ, मेरे दोस्तों, या डेनी वीवर जैसे विद्वानों के लिए, जो अहिंसक प्रायश्चित को बढ़ावा देते हैं। मैं पवित्र शास्त्र से यह नहीं समझ सकता कि किसी भी नियम में अहिंसक प्रायश्चित क्या है।

वास्तव में, प्रायश्चित के सभी विचारों में से, दंडात्मक प्रतिस्थापन सबसे नकारात्मक प्रतिक्रिया को भड़काता है। आपत्ति नंबर एक। सुधार तक इसे नहीं पढ़ाया गया था।

पहली आपत्ति, एक आपत्ति, जिसे मैं अपने आदेश में रख रहा हूँ, कहती है कि दंडात्मक प्रतिस्थापन का आविष्कार सुधारकों ने किया था। यह पहले कभी नहीं सुना गया था। यह स्पष्ट रूप से गलत है।

यह सच है कि लूथर ने क्राइस्टस विक्टर, क्राइस्ट अवर चैंपियन के साथ इस सिद्धांत को पढ़ाया था, और यह जॉन कैल्विन के काम में प्रमुख विषय था। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह

पहले अनसुना था; जैसा कि हॉवर्ड मार्शल ने उद्धरण में समझाया है, सिद्धांत के अस्तित्व और इसकी प्रमुखता के बीच अंतर किया जाना चाहिए। दंड प्रतिस्थापन का सिद्धांत शायद सुधार से पहले प्रमुख नहीं रहा हो, लेकिन यह कहना कि यह अज्ञात था, इससे काफी अलग है।

यह सर्वविदित था। इरेनियस ने प्रायश्चित की बात कही थी। संत ऑगस्टीन ने भी यही किया था।

यह सुधार से पहले जाना जाता था। थॉमस एकिनास ने दंडात्मक प्रतिस्थापन टिप्पणियाँ की हैं। अब, ये इन आंकड़ों के एकमात्र कथन नहीं हैं, बल्कि ये आंकड़े हैं, ये ऐसे कथन हैं जो वे सुधारकों के सामने देते हैं।

इसलिए सुधार तक दंडात्मक प्रतिस्थापन की शिक्षा नहीं दी गई। भले ही यह दी गई हो, इसका मतलब यह नहीं है कि यह ईश्वर का सत्य नहीं है। इस मामले की सच्चाई यह है कि क्या यह पवित्र शास्त्र में सिखाया गया है।

दूसरे, यह कहा जाता है कि दंडात्मक प्रतिस्थापन केवल व्यक्तिवाद का एक उत्पाद है। जोएल ग्रीन, जो फिर से एक उत्कृष्ट न्यू टेस्टामेंट विद्वान हैं, और मार्क बेकर ने मिलकर एक पुस्तक लिखी, रिकवरींग द स्कैंडल ऑफ़ द क्रॉस, जिसमें उन्होंने दंडात्मक प्रतिस्थापन की विचित्र और गलत धारणाओं पर हमला किया, लेकिन दुर्भाग्य से दंडात्मक प्रतिस्थापन पर भी हमला किया। ग्रीन और बेकर का दावा है कि दंडात्मक प्रतिस्थापन पश्चिम में आधुनिक मध्यम वर्ग की बहुत बड़ी विशेषता स्वायत्त व्यक्तिवाद पर जोर देने के साथ पूरी तरह से सुसंगत है, उद्धरण बंद करें।

गैरी विलियम्स का जवाब है कि यह आपत्ति अजीब है, ऐतिहासिक रूप से गलत है, और यहां तक कि विडंबनापूर्ण भी है। यह अजीब है क्योंकि दंडात्मक प्रतिस्थापन, अपनी परिभाषा के अनुसार, कॉर्पोरेट श्रेणियों पर बहुत अधिक निर्भर करता है और व्यक्तिवाद को नकारता है। विलियम्स के हवाले से, दंडात्मक प्रतिस्थापन के किसी भी समर्थक ने इसे दो पूरी तरह से असंबंधित व्यक्तियों के बीच दंड के हस्तांतरण के रूप में कभी नहीं माना है।

इसके बजाय, मसीह को वाचा और कॉर्पोरेट प्रमुख के रूप में देखा जाता है जो अपने लोगों के स्थान पर मर जाता है। गलातियों 3:13, मसीह शाप के अधीन लोगों को छुड़ाने के लिए वाचा के अभिशाप को स्वयं लेता है। उदाहरणों का हवाला देते हुए, और फिर से यह पहले को सही ठहराता है, यह पहली आलोचना का उत्तर देता है कि दंडात्मक प्रतिस्थापन सुधार के समय शुरू हुआ था।

कैसरिया के युसेबियस, जॉन कैल्विन और जॉन ओवेन सभी का मानना है कि दंडात्मक प्रतिस्थापन मसीह और उसके लोगों के बीच एक रहस्यमय मिलन पर निर्भर करता है। मुझे खुद को सही करना चाहिए; युसेबियस सुधार से पहले का है, कैल्विन, निश्चित रूप से, सुधार है, और ओवेन सुधार के बाद का है, इसलिए मैंने गलत कहा। लेकिन युसेबियस को उन लोगों में जोड़ा जाना चाहिए जिन्होंने सुधार से पहले दंडात्मक प्रतिस्थापन सिखाया था।

दूसरा, यह आरोप कि प्रतिस्थापन पश्चिमी व्यक्तिवाद का उत्पाद है, ऐतिहासिक रूप से गलत है क्योंकि चर्च के पिताओं के ऐसे उदाहरण हैं जो दंडात्मक प्रतिस्थापन में ईश्वर के न्याय को

समझाने के लिए मसीह के साथ एकता का उपयोग करते हैं। विलियम्स कैसरिया के यूसीबियस से एक उद्धरण उद्धृत करते हैं, वह हमारे पापों को अपना कैसे बना सकता है और हमारे अधर्म को कैसे सहन कर सकता है, जब तक कि उसे माना न जाए, हमें उसका शरीर न माना जाए? और परमेश्वर के मेरे ने न केवल ऐसा किया, बल्कि हमारी ओर से दंडित किया गया और दंड भुगता। वह हमारे पापों की अधिकता के कारण हमारे द्वारा किए गए ऋण का भुगतान नहीं करता था, और उसने हमारे लिए अभिशाप बनकर, खुद पर शापित अभिशाप को ले लिया।

और वह हमारी आत्माओं की कीमत के अलावा और क्या है? और इसलिए, हमारे व्यक्तित्व में दैवज्ञ कहते हैं, उसके कोड़ों से हम चंगे हुए, यशायाह 53, और प्रभु ने उसे हमारे पापों के लिए छुड़ाया, जिसके परिणामस्वरूप वह खुद को हमसे और हमें खुद से जोड़ता है और हमारे दुखों को अपने ऊपर ले लेता है, वह कह सकता है, मैंने कहा, प्रभु मुझ पर दया करो, मेरी आत्मा को चंगा करो, क्योंकि मैंने तुम्हारे खिलाफ पाप किया है। यह मसीह के साथ एकता द्वारा समर्थित एक पितृसत्तात्मक दंडात्मक प्रतिस्थापन है, जो बताता है कि कैसे एक के दुख कई लोगों के उद्धार बन गए। इसलिए, यह कहना सही नहीं है कि दंडात्मक प्रतिस्थापन आधुनिक पश्चिमी व्यक्तिवाद का उत्पाद है।

तीसरा, यह आरोप विडंबनापूर्ण है क्योंकि दंडात्मक प्रतिस्थापन के आलोचकों ने ही व्यक्तिवाद को अपनाया है। चर्च ऑफ इंग्लैंड की 1995 की सिद्धांत आयोग की रिपोर्ट, द मिस्ट्री ऑफ साल्वेशन, जो दंडात्मक प्रतिस्थापन का विरोध करती है, में हम पढ़ते हैं कि नैतिक क्षेत्र में, प्रत्येक व्यक्ति को अपने दायित्वों के लिए स्वयं जिम्मेदार होना चाहिए। नैतिक जिम्मेदारी अंततः असंप्रेषणीय है।

यह रिपोर्ट दंडात्मक प्रतिस्थापन को अस्वीकार करती है, जैसा कि लेखकों ने उद्धृत किया है क्योंकि वे इस प्रकार के व्यक्तिवाद का समर्थन करते हैं। यह वास्तव में दुःखद है। आपत्ति संख्या तीन, दंडात्मक प्रतिस्थापन, यीशु की दूसरी गाल आगे करने की शिक्षा का खंडन करता है।

जैसा कि हमने पहले देखा, सुधारवादी शिक्षा की प्रतिक्रिया में, 17वीं शताब्दी में फॉस्टस सोसिनस ने दंडात्मक प्रतिस्थापन के विरुद्ध तर्क प्रस्तुत किए जो आज भी उपयोग किए जाते हैं। उनमें से एक यह था कि दंडात्मक प्रतिस्थापन में प्रतिशोधात्मक न्याय शामिल है, और यह ईश्वर को स्वयं के साथ असंगत बनाता है। यीशु अपने अनुयायियों को बुराई का विरोध नहीं करने बल्कि थप्पड़ मारे जाने पर दूसरा गाल आगे करने की शिक्षा देते हैं, मत्ती 5:39। इसलिए यह विचार कि ईश्वर क्रूस पर दंड देता है, यीशु की स्पष्ट शिक्षा का खंडन करता है।

2004 में लिखते हुए, एक सम्मानित ब्रिटिश उपदेशक और लेखक स्टीफन चाल्के इस बात से सहमत हैं और दावा करते हैं कि इस तरह का दृष्टिकोण ईश्वर को पाखंडी बनाता है। उद्धरण, यदि क्रूस का दंडात्मक प्रतिस्थापन से कोई लेना-देना है, तो यीशु की शिक्षा एक दिव्य मामला बन जाती है कि जैसा मैं कहता हूँ वैसा करो, जैसा मैं करता हूँ वैसा नहीं। और फिर वह आगे कहते हैं, मैं, एक व्यक्ति के रूप में, विश्वास करता हूँ कि ईश्वर जो उपदेश देता है, उसका पालन करता है।

गैरी विलियम्स ने सोसिनस और चाल्के दोनों को निर्णायक रूप से उत्तर दिया; मुझे स्टीव को उस कंपनी में देखकर दुख हुआ, एक स्पष्ट प्रति-उदाहरण प्रस्तुत करके। यह रोमियों 12 में पाया जाता है, जहाँ पॉल ने स्पष्ट रूप से अंतर किया है कि न्याय किस तरह से ईश्वर के अपने मानव प्राणियों के साथ संबंधों और उनके एक-दूसरे के साथ संबंधों के लिए काम करता है। पॉल, यीशु की तरह, मनुष्यों को अपने साथियों के खिलाफ बदला लेने से रोकता है।

तो क्या वह उनसे परमेश्वर के उदाहरण का अनुसरण करने का आग्रह करता है? नहीं, बिल्कुल इसके विपरीत। उद्धरण, किसी से बुराई का बदला बुराई से न लें, रोमियों 12:17 से 21। प्रिय, कभी भी अपना बदला न लें, बल्कि इसे परमेश्वर के क्रोध पर छोड़ दें।

क्योंकि लिखा है, “प्रभु कहता है, बदला लेना मेरा काम है, मैं ही बदला चुकाऊँगा।” इसके विपरीत, यदि तेरा शत्रु भूखा हो, तो उसे खाना खिला। यदि वह प्यासा हो, तो उसे पानी पिला।

क्योंकि ऐसा करने से तुम उसके सिर पर जलते हुए अंगारों की कटनी काटोगे। तुम उसके सिर पर जलते हुए अंगारों का ढेर लगाओगे। बुराई से मत हारो, बल्कि भलाई से बुराई को जीतो।

फिर से, रोमियों 12:17 और 19 से 21. विलियम्स इस बात को स्पष्ट करते हैं। इस प्रकार, पॉल व्यक्तिगत लोगों के बीच संबंधों के क्षेत्र में प्रतिशोध से इनकार करता है और साथ ही, इसे ईश्वर को सौंपता है, जो इसे शासक अधिकारियों के साथ सीमित हिस्से में साझा करता है।

जहाँ चाल्के का अनुमान है कि परमेश्वर कभी भी वह नहीं करेगा जो वह हमें करने से मना करता है, वहीं पॉल इसके ठीक विपरीत तर्क देता है। परमेश्वर हमें वह नहीं करने के लिए कहता है जो वह करता है, क्योंकि वह ऐसा करता है। परमेश्वर कहता है, जैसा मैं कहता हूँ वैसा करो, जैसा मैं करता हूँ वैसा नहीं, और यह उचित ही है, क्योंकि वह परमेश्वर है और हम नहीं।

आपत्ति चार। दंडात्मक प्रतिस्थापन दंड को व्यक्तिगत के बजाय अवैयक्तिक बनाता है। आलोचक प्रतिशोधात्मक दंड और उस पर आधारित दंडात्मक प्रतिस्थापन को अवैयक्तिक मानते हैं और इसलिए, बाइबिल से कम मानते हैं।

स्टीफन ट्रेविस, एक उत्कृष्ट इंग्लिश एंग्लिकन, जब प्रतिशोधात्मक दंड का विरोध करते हुए लिखते हैं, तो वे यही संकेत देते हैं। “ईश्वर के न्याय को मुख्य रूप से प्रतिशोध के संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए, जिसके तहत लोगों को उनके कर्मों के अनुसार भुगतान किया जाता है, बल्कि ईश्वर के साथ संबंध या गैर-संबंध के संदर्भ में देखा जाना चाहिए।”

ट्रेविस स्पष्ट रूप से प्रतिशोध और रिश्ते को असंगत मानते हैं। असंगत। इसलिए, दंडात्मक प्रतिस्थापन अवैयक्तिक है, क्योंकि अवैयक्तिक लेन-देन अयोग्य है, प्रायश्चित का एक अयोग्य दृष्टिकोण है।

लेकिन ट्रेविस का दृष्टिकोण गलत है। प्रतिशोधात्मक दंड और रिश्ते जरूरी नहीं कि एक दूसरे के विरोधी हों। ह्यूगो गोटियस के अनुसार प्रतिशोध में दो पहलू शामिल होते हैं।

एक दुर्भावना, एक दुर्भावना, क्षमा करें, जो किसी दुर्भावना के प्रति उत्तरदायी है और किसी प्रकार का आनुपातिक दर्द पहुँचाती है। लेकिन इन दो पहलुओं के आधार पर, सज़ा प्रतिशोधात्मक और संबंधपरक दोनों हो सकती है। ऐसा मामला तब होता है जब सज़ा बुराई, बुरे चरित्र या व्यवहार के लिए योग्य होती है, और जहाँ सज़ा में दर्द शामिल होता है।

अब, मसीह की धन्य उपस्थिति से अलग होना निश्चित रूप से पीड़ादायक है। उद्धरण, मसीह के साथ प्रेमपूर्ण संबंध से बहिष्कार की श्रेणी एक संबंधपरक श्रेणी है, जैसा कि विलियम्स जोर देते हैं। क्योंकि पापी मसीह के साथ शत्रुतापूर्ण टकराव के रिश्ते में खड़ा है।

इस व्याख्यान को समाप्त करने से पहले एक और प्रश्न। आपत्ति पांच। दंडात्मक प्रतिस्थापन से यह गलत तरीके से दर्शाया जाता है कि ईश्वर को क्षमा करने से पहले उसे प्रसन्न करने की आवश्यकता है।

आलोचक कभी-कभी दंडात्मक प्रतिस्थापन के समर्थकों को यह कहते हुए चित्रित करते हैं कि यह मसीह का क्रूस है जो परमेश्वर को अपना क्रोध त्यागने और क्षमा प्रदान करने का कारण बनता है। हालाँकि प्रतिस्थापन के जिम्मेदार समर्थक ऐसा नहीं मानते, फिर भी आरोप जारी है, जैसा कि जोएल ग्रीन प्रदर्शित करते हैं। उद्धरण, दंडात्मक प्रतिस्थापन प्रायश्चित के मॉडल के विपरीत, फिर, परमेश्वर का बचाव कार्य यीशु की स्वेच्छा से मृत्यु के प्रति उसकी प्रतिक्रिया नहीं है।

उद्धरण बंद करें। लेकिन यह अपने आप में एक गलत बयान है, जैसा कि हॉवर्ड मार्शल ने अपनी बहुत अच्छी किताब, द थियोलॉजी ऑफ़ द न्यू टेस्टामेंट में दिखाया है। उद्धरण, यीशु की मृत्यु का मकसद भगवान का प्रेमपूर्ण उद्देश्य बताया गया है।

और नए नियम में इस बात का ज़रा भी संकेत नहीं है कि यीशु ने पापियों को क्षमा करने के लिए परमेश्वर को मनाने के लिए अपनी जान दी। इसके विपरीत, उसकी मृत्यु वह तरीका है जिससे परमेश्वर अपनी कृपा और दया में कार्य करता है। इसलिए, यीशु की मृत्यु एक ऐसे पिता को खुश करने का साधन नहीं है जो क्षमा करने के लिए अनिच्छुक, असमर्थ या अनिच्छुक है।

यह वही है जो परमेश्वर स्वयं करता है जबकि हम अभी भी पापी हैं। यह सच है कि परमेश्वर का क्रोध उन पापियों के विरुद्ध सक्रिय है जिन्होंने सुसमाचार को स्वीकार नहीं किया है, लेकिन यह सच नहीं है कि परमेश्वर का क्रोध शांत होने से पहले ही वह दयालु हो जाएगा। हमारे अगले व्याख्यान में, हम दंडात्मक प्रतिस्थापन के विरुद्ध पाँच और आपत्तियों के साथ जारी रखेंगे और फिर दंडात्मक प्रतिस्थापन को समग्र रूप से सारांशित करेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन मसीह के उद्धार कार्य पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह सत्र 15 है, मसीह के उद्धार कार्य के छह चित्र, भाग 2, मुक्ति और प्रतिस्थापन।